


---

chandrastotram

——  
चन्द्रस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : chandrastotram 1

File name : chandrastotram.itx

Category : navagraha

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Description/comments : BhaktivivekasAra

Latest update : November 18, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 30, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



चन्द्रस्तोत्रम्



नमश्चन्द्रमसे ॥

नमश्चन्द्राय सोमायेन्दवे कुमुदबन्धवे ।

विलोहिताय शुभ्राय शुक्लाम्बरधराय च ॥ १ ॥

त्वमेव सर्वलोकानामाप्यायनकरः सदा ।

क्षीरोद्भवाय देवाय नमः शङ्करशेखर ॥ २ ॥

युगानां युगकर्ता त्वं निशानाथो निशाकरः ।

संवत्सराणां मासानामृतूनां तु तथैव च ॥ ३ ॥

ग्रहाणां च त्वमेकोऽसि सौम्यः सोमकरः प्रभुः ।

ओषधीपतये तुभ्यं रोहिणीपतये नमः ॥ ४ ॥

इदं तु पठते स्तोत्रं प्रातरुत्थाय यो नरः ।

दिवा वा यदि वा रात्रौ बद्धचित्तो हि यो नरः ॥ ५ ॥

न भयं विद्यते तस्य कार्यसिद्धिर्भविष्यति ।


अहोरात्रकृत्तं पापं पठनादेव नश्यति ॥ ६ ॥

द्विजराजो महापुण्यस्तारापतिर्विशेषतः ।

ओषधीनां च यो राजा स सोमः प्रीयतां मम ॥ ७ ॥

इति चन्द्रस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by PSA Easwaran

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

